200-4793-T 137/63

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर (महाराष्ट्र) की
एम्. फिल्. (हिन्दी)
उपाधि के लिए प्रस्तुत लघु-शोध-प्रबंध

''रामदरश मिश्र के उपन्यासों में सामाजिक जीवन''

(पानी के प्राचीर, जल टूटता हुआ के संदर्भ में)

शोध-छात्रा
कु. बाळुताई मारुती नांगरे
एम. ए.

शोध-निर्देशक
डॉ. व्यंकटेश वामन कोटबागे
एम. ए., पीएच्. डी.
रीडर एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग,
किसन वीर महाविद्यालय, वाई,
जि. सातारा, महाराष्ट्र

जून, 2001